



QP CODE: 23145066

23145066

Reg No :

Name :

M A DEGREE (CSS) EXAMINATION, NOVEMBER 2023

Third Semester

Faculty of Language and Literature

M A SANSKRIT SPECIAL (SAHITYA)

CORE - SA060304 - NIRUKTA AND JYOTISHA

2019 ADMISSION ONWARDS

B3276A00

Time: 3 Hours

Weightage: 30

Part A (Short Answer Questions)

Answer any **eight** questions.

Weight 1 each.

1. निगमनात् निघण्टव उच्यन्ते- के ? कुतः?
2. यास्कमतानुसारं नाम्नः अर्थप्रकारान् विशदयत।
3. सूर्यस्य मिथुन-कुळीर-सिंह-कनिराशिस्थितिफलं प्रतिपादयत।
4. गुरौ कर्किसिंहक्षेत्रयोः तथा स्वक्षेत्र-मन्दक्षेत्रेषु स्थिते सति जातः कीदृशः स्यादिति विवृणुत।
5. सिद्धिमुपैति भावः - कथम्? विशदयत।
6. तद्राशिजाताश्च भवन्ति भावास्तदीयनीचोच्चगृहोद्भवा वा - विशदयत।
7. मार्गप्रमाणमपि तत्र वेदत् - कुत्र? कथम्? विशदयत।
8. सुनभयोगं तदफलं च विशदयत।
9. वेसियोगं तदफलं निरूपयत।
10. लग्नाधियोगं यथाग्रन्थं विशदयत।

(8×1=8 weightage)

Part B (Short Essay/Problems)

Answer any **six** questions.

Weight 2 each.

11. निघण्टुशब्दः कथं सञ्जातः?
12. पदपूरणार्थं प्रयुक्तान् निपातान् प्रतिपादयत।





13. चन्द्रे सिंहकन्याराशिस्थे जातः कीदृशः भवेत्? विशदयत।
14. चन्द्रस्य तुलावृश्चिकराशिस्थितिफलं यथाग्रन्थं प्रतिपादयत।
15. स्फुटमिह भवति द्वित्रिसंवादभावात् - विशदयत।
16. तदैक्यं गुणपिण्डमाहुः - किम्? विशदयत।
17. धनलाभयोगं महाभाग्ययोगं च सप्रमाणं प्रतिपादयत।
18. सुशुभाशुभा-कर्तरियोगान् प्रतिपादयत।

(6×2=12 weightage)

Part C (Essay Type Questions)

Answer any **two** questions.

Weight 5 each.

19. क्रियायाः षड् रूपाणि विवृणुत।
20. कुजे मेषादिराशिस्थे सति जातः कीदृशो भवेदिति विवृणुत।
21. भावानुभवकालमधिकृत्य यथाग्रन्थं प्रतिपादयत।
22. रुचको भद्रो हंसो माळव्यः शश इति क्रमाद्योगाः - विशदयत।

(2×5=10 weightage)

